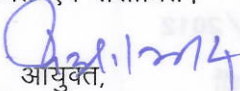
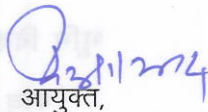




कि आवेदक (बच्चू यादव) के द्वारा दाखिल आवेदन में प्रश्नगत केवाला की तिथि दिनांक 25.04.04 बतायी गयी है जबकि यह केवाला दिनांक 18.04.06 को निबंधन हेतु दाखिल किया गया एवं दिनांक 25.04.06 को निबंधित किया गया है। केवाला में दर्ज भूमि का किस्म सिंचित बताया गया है तथा इसके उत्तर एवं पश्चिम चौहद्दी में कमलेश्वरी यादव का नाम अंकित है। इसलिए आवेदक का यह कहना कि प्रश्नगत भूमि आवासीय है सही नहीं है। आवेदक के भूमिहीन होने का प्रश्न है, वे अंचल अधिकारी, किसनपुर द्वारा निर्गत भू स्वामित्व प्रमाण पत्र के अनुसार भूमिहीन नहीं है। इसके अलावे प्रतिपक्षी प्रश्नगत भूमि के उत्तर एवं पश्चिम के अरिया रैयत है।

उभय पक्षों के विज्ञ अधिवक्ताओं को सुना तथा अभिलेख पर रक्षित कागजात का सुक्ष्म अवलोकन किया, पाया कि निम्न न्यायालय द्वारा उभय पक्षों को सुनने एवं साक्ष्यों के अवलोकनोपरांत विधिसम्मत एवं न्यायोचित आदेश पारित किया गया है। अस्तु अपील वाद खारिज। इसी के साथ वाद निस्तारित किया जाता है।  
लेखापित एवं संशोधित।

  
आयुक्त,  
कोशी प्रमंडल, सहरसा

  
आयुक्त,  
कोशी प्रमंडल, सहरसा

— १९९१४ —